चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	27.5.23	9	1-4

एचएयू की 11 छात्राओं ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

थाइलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक में प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्राएं सामुदायिक विकास में अधिक योगदान दे सकेंगी : प्रो. कम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाइलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज से मुलाकात की और प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में कुलपति को बताया। कुलपति ने चयनित छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण व संबंधित विषयों में अध्ययन करने पर सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रशंसा की साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं भी दी। कुलपति ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

हिसार। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को बधाई देते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों के बारे में सीखा

गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि थाइलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया, जिसमें छात्राओं ने जलवायु, स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, सांख्यिकी के अनुप्रयोग, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन, मछली पालन व खाद्य सुरक्षा विषय में गहनता से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा साक्षी, आस्था, गरिमा व प्रीति ने खेती में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न तकनीकों, स्मार्ट एग्रीकल्चर, नैनो तकनीक व कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों के बारे में सीखा। उन्होंने बताया कि चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा दीक्षा, बामल, लवली व वैशाली ने खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीकों, ग्रीन हाउस, सोलर पैनल व पेय पदार्थ उत्पादन विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर ओएसडी एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने भी चयनित छात्राओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27.5.23	4	3-5

एच.ए.यू. की 11 छात्राओं ने 3 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण किया प्राप्त

हिसार, 26 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को बधाई देते एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

इसी कड़ी में इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की, साथ ही इस प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में कुलपति को बताया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की आई.डी.पी. योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर थाईलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया, ताकि ये विद्यार्थी आधुनिक तकनीक व नवीनतम ज्ञान का प्रयोग कर समुदायिक विकास में अपना पूरा योगदान दे सकें।

गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया, जिसमें छात्राओं ने जलवायु, स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, सांख्यिकी के अनुप्रयोग, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन, मछली पालन व खाद्य सुरक्षा विषय में गहनता से जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने बताया कि वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा साक्षी, आस्था, गरिमा व प्रीति ने खेती में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न तकनीकों, स्मार्ट एग्रीकल्चर, नैनो तकनीक व कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों के बारे में सीखा। उन्होंने बताया कि चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा दीक्षा, बामल, लवली व वैशाली ने खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीकों, ग्रीन हाउस, सोलर पैनल व पेय पदार्थ उत्पादन विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27.5.23	5	1-4

11 छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में लिया प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चेक रिपब्लिक पराग में चेक यूनिवर्सिटी आफ लाइफ सांइसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया।

चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात की। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगीण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की आइडीपी योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर थाईलैंड, वियतनाम व चेक रिपब्लिक देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया ताकि ये विद्यार्थी आधुनिक तकनीक व नवीनतम ज्ञान का प्रयोग कर सामुदायिक विकास में अपना पूरा योगदान दे सकें। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया। वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा साक्षी, आस्था, गरिमा व प्रीति ने खेती में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न तकनीकों, स्मार्ट एग्रीकल्चर, नैनो तकनीक व कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों के बारे में सीखा।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को बधाई देते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • पीआरओ

चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी आफ लाइफ सांइसेज में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा दीक्षा, बामल, लवली व वैशाली ने खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीकों, ग्रीन हाउस, सोलर पैनल व पेय पदार्थ उत्पादन विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर ओएसडी एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने भी चयनित छात्राओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27.5.23	2	7-8

विदेश से प्रशिक्षण लेकर लौटीं एचएयू की छात्राएं

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चेक रिपब्लिक पराग में चेक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज संस्थान में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। छात्राओं ने कुलपति प्रो. बीआर कांबोज से भी मुलाकात की। वीसी ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर के लिए आईडीपी योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर विदेशों में प्रशिक्षण करवाया। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	27.5.23	2	7-8

प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी छात्राओं का स्वागत

हिसार में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राएं कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मिलते हुए। -निस

हिसार (निस) : थाईलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक संस्थानों में 60 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी 11 छात्राओं का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि उनका ज्ञान प्रदेश व किसानों की सहायता करने में कारगर साबित होगा। हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में 60 दिनों तक प्रशिक्षण हासिल किया। छात्राओं ने कुलपति से मुलाकात की और प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	27-5-23	5	1-2

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को बधाई देते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू की 11 छात्राओं ने तीन अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त किया

हिसार, 26 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। इसी कड़ी में इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की, साथ ही इस प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में कुलपति को बताया। इसके बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चयनित छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण व संबंधित विषयों में अध्ययन करने पर सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रशंसा की साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं भी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की आईडीपी योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर थाईलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया ताकि ये विद्यार्थी आधुनिक तकनीक व नवीनतम ज्ञान का प्रयोग कर समुदायिक विकास में अपना पूरा योगदान दे सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	27.5.23	5	4-8

एचएयू की 11 छात्राओं ने तीन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्राप्त किया प्रशिक्षण

सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। इसी कड़ी में इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की, साथ ही इस प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के

बारे में कुलपति को बताया। इसके बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चयनित छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण व संबंधित विषयों में अध्ययन करने पर सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रशंसा की साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं भी दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की आईडीपी योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर थाईलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया ताकि ये विद्यार्थी आधुनिक तकनीक व नवीनतम ज्ञान का प्रयोग कर समुदायिक विकास में अपना पूरा योगदान दे सकें।

● छात्रा ने तकनीकी नवाचार विषय पर किया अध्ययन

गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा भव्या संधू, शीतल व शिल्पा ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों की भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए तकनीकी नवाचार विषय पर अध्ययन किया, जिसमें छात्राओं ने जलवायु, स्मार्ट कृषि, ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, सांख्यिकी के अनुप्रयोग, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन व खाद्य सुरक्षा विषय में गहनता से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा साक्षी, आस्था, गरिमा व प्रीति ने खेती में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न तकनीकों, स्मार्ट एग्रीकल्चर, नैनो तकनीक व कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों के बारे में सीखा। उन्होंने बताया कि चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज में आयोजित प्रशिक्षण में छात्रा दीक्षा, बामल, लवली व वैशाली ने खाद्य प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीकों, ग्रीन हाउस, सोलर पैनल व पेय पदार्थ उत्पादन विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.05.2023	--	--

एचएयू की 11 छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त किया

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय की 11 छात्राओं ने थाईलैंड में एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, वियतनाम के कैनथो विश्वविद्यालय व चैक रिपब्लिक पराग में चैक यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ सांइसेज नामक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण लेकर संबंधित विषयों में अध्ययन किया। चयनित छात्राओं ने इन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कुल 60 दिनों तक प्रशिक्षण लिया था। इन छात्राओं ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात की, साथ ही इस प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली से लेकर उपलब्धियों के बारे में कुलपति को बताया। कुलपति ने बताया कि गृह-विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगिण विकास व अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की आईडीपी योजना के तहत चयनित 11 छात्राओं का पूरा खर्चा वहन कर थाईलैंड, वियतनाम व चैक रिपब्लिक देशों के संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया ताकि ये विद्यार्थी आधुनिक तकनीक व नवीनतम ज्ञान का प्रयोग कर समुदायिक विकास में अपना पूरा योगदान दे सकें। इस अवसर पर डॉ. मंजू मेहता, डॉ. अतुल ढींगड़ा ने भी चयनित छात्राओं को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.5.23	2	3-4

मशीनें अन्त: फसलीकरण के लिए बेहद उपयोगी : डॉ. विजया

लघु कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए खेत दिवस मनाया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गांव काजला में छोटे कृषि उपकरणों और मशीनरी के प्रदर्शन पर खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छोटे ट्रैक्टर और पावर टिलर द्वारा संचालित सभी उपलब्ध कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, इनके परिचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा डॉ. विजया रानी ने बताया कि ये मशीनें बागवानी, फसलों के बीच अन्त: फसलीकरण आदि के लिए बहुत उपयोगी हैं। बड़ी मशीनों की तुलना में इन मशीनों की कीमत बहुत कम होने के कारण छोटी जोत वाले किसान इन्हें खरीदकर अपने कृषि कार्यों को आसान बना सकते हैं।

डॉ. विजया रानी ने बताया कि प्रदर्शित की गई छोटे ट्रैक्टर से संचालित मशीनों में सब सॉइलर, मोल्डबोर्ड प्लो, कल्टीवेटर, रिजर, सीड ड्रिल, मल्टी क्रॉप प्लांटर, आलू बुआई मशीन, गन्ना बुआई मशीन, मल्चर और हाई क्लीयरेंस कल्टीवेटर शामिल थी।

मशीनरी छोटे भूमि वाले किसानों के लिए खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तक फसल उत्पादन में शामिल सभी फील्ड ऑपरेशन के लिए बहुत उपयोगी हैं। कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर स्वपनील चौधरी, इंजीनियर नरेश व फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियररिंग विभाग के अन्य तकनीकी अधिकारियों ने भी मशीनरी की कार्यक्षमता के बारे में गहनता से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धरि. भूमि	28.5.23	12	4-7

70 किसानों ने खेत दिवस कार्यक्रम में लिया भाग

फार्म मशीनरी के प्रदर्शन पर खेत दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गांव काजला में छोटे कृषि उपकरणों और मशीनरी के प्रदर्शन पर खेत दिवस का आयोजन किया गया। इस खेत दिवस में छोटे ट्रेक्टर और पावर टिलर द्वारा संचालित सभी उपलब्ध कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही इनके परिचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि गांव काजला व आसपास से आए 70 किसानों ने खेत दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। उपस्थित लोगों को छोटे ट्रेक्टर और पावर टिलर से चलने वाली मशीनरी के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये मशीनें बागवानी, फसलों के बीच अन्तः फसलीकरण आदि के लिए बहुत उपयोगी हैं। बड़ी मशीनों की तुलना में इन मशीनों की कीमत बहुत कम होने के कारण छोटी जोत वाले किसान इन्हे खरीद कर अपने कृषि कार्यों को आसान बना सकते है। डॉ. विजया रानी ने बताया कि प्रदर्शित की गई छोटे ट्रैक्टर से संचालित मशीनों में सब सॉइलर, मोल्डबोर्ड प्लो, कल्टीवेटर, रिजर, सीड ड्रिल, मल्टी क्रॉप प्लांटर, आलू बुआई मशीन, गन्ना बुआई मशीन, मल्चर तथा हाई क्लीयरेंस कल्टीवेटर शामिल थे। इस कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर स्वपनील चौधरी, इंजीनियर नरेश व फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियररिंग विभाग के अन्य तकनीकी अधिकारियों ने भी मशीनरी की कार्यक्षमता के बारे में गहनता से जानकारी दी।

हिसार। खेत दिवस के दौरान फार्म मशीनरी का प्रदर्शन करते वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.5.23	11	3-6

लघु कृषि यंत्रों एवं फार्म मशीनरी के बेहतर उपयोग हेतु खेत दिवस मनाया

हिसार, 27 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गांव काजला में छोटे कृषि उपकरणों और मशीनरी के प्रदर्शन पर खेत दिवस का आयोजन किया गया। इस खेत दिवस में छोटे ट्रैक्टर और पावर टिलर द्वारा संचालित सभी उपलब्ध कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही इनके परिचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि गांव काजला व आसपास से आए 70 किसानों ने खेत दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। उपस्थित लोगों को छोटे ट्रैक्टर और पावर टिलर से चलने वाली मशीनरी के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये मशीनें बागवानी, फसलों के बीच अन्तः फसलीकरण आदि के लिए बहुत उपयोगी हैं। बड़ी मशीनों की तुलना में इन मशीनों की कीमत बहुत कम होने के कारण छोटी जोत वाले किसान इन्हे खरीद कर अपने कृषि कार्यों को आसान बना सकते है। डॉ. विजया रानी ने बताया कि प्रदर्शित की गई छोटे ट्रैक्टर से संचालित मशीनों में सब सॉइलर, मोल्डबोर्ड प्लो, कल्टीवेटर, रिजर, सीड ड्रिल, मल्टी क्रॉप प्लांटर, आलू बुआई मशीन, गन्ना बुआई मशीन, मल्चर तथा हाई क्लीयरेंस कल्टीवेटर शामिल थे। उन्होंने बताया कि पावर टिलर संचालित मशीनरी में मोल्डबोर्ड प्लो, रोटावेटर, ऑगर प्लो, सीड ड्रिल, मल्चर रीपर आदि शामिल थे। ये मशीनरी छोटे भूमि वाले किसानों के लिए खेत की तैयारी से लेकर फसल की कटाई तक फसल उत्पादन में शामिल सभी फील्ड ऑपरेशन के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर स्वपनील चौधरी, इंजीनियर नरेश व फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियररिंग विभाग के अन्य तकनीकी अधिकारियों ने भी मशीनरी की कार्यक्षमता के बारे में गहनता से जानकारी दी।

खेत दिवस के दौरान फार्म मशीनरी का प्रदर्शन करते हुए वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-5-23	2	1-4

मचान विधि से घीया लगाकर 15% अधिक उत्पादन ले सकते हैं किसान

नई किस्म जीएच-22 और हाइब्रिड एचबीजीएच दे रही बेहतरीन उत्पादन, सरकार से मिल रहा अनुदान

संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने घीया की नई किस्म जीएच- 22 तैयार की है। इस किस्म का प्रति एकड़ उत्पादन 100 से 120 क्विंटल तक है। इसके साथ ही किसान हाइब्रिड एचबीजीएच क़िस्म लगाकर 130 से 140 क्विंटल घीया प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

यदि किसान मचान विधि से घीया की फसल लगाते हैं तो वे प्रति एकड़ 15 प्रतिशत तक अधिक मुनाफा ले सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर दूहन ने बताया कि मचान विधि से घीया की फसल लगाने पर परागण अधिक होता है। इसके साथ ही घीया का आकार, रंग व उसकी गुणवत्ता भी बेहतर होती है। बरसात के मौसम में मचान विधि से लगाई घीया जलभराव से बच जाती है। जिससे इसमें रोग भी कम आते हैं। मचान विधि से घीया लगाने पर हरियाणा सरकार किसानों को अनुदान भी दे रही है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में मचान विधि से लगाई घीया की बेल। संवाद

लालड़ी कीट का प्रकोप...घीया की बिजाई के दो से तीन सप्ताह बाद लालड़ी कीट का प्रकोप हो जाता है। इसके प्रौढ़ पीले रंग के और चमकीले होते हैं। पत्तियों में प्रौढ़ गोल सुराख कर देते हैं। इसके प्रकोप से छोटे पौधे पूरी तरह से खत्म हो जाते हैं। मध्य जून से अगस्त तक इसका प्रकोप अधिक होता है। लालड़ी कीट की रोकथाम के लिए पांच किलोग्राम कार्बेरिल पांच डी और पांच किलोग्राम राख का प्रति एकड़ धूड़ा करें। लालड़ी की [illegible] से बचाव के लिए 1.6 लीटर क्लोरपाइरीफास 20 ई.सी. को बिजाई के एक महीने बाद सिंचाई के साथ लगाएं।

फल मक्खी से नुकसान

ये मक्खी कोमल फलों के गूदे में अंडे देती है। बाद में अंडों से सूंडी निकलकर फल के गूदे को खाती है जिससे फल खराब हो जाते हैं। 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ई.सी. या 500 ग्राम कार्बेरिल 50 घु.पा. को 200 से 250 लीटर पानी और 1.25 किलोग्राम गुड़ या सीरे में मिलाकर 10 दिन के अंतराल पर प्रति एकड़ छिड़कने से फल मक्खी की रोकथाम की जा सकती है।

घीया की बिजाई का तरीका

घीया की बिजाई के लिए उठी हुई क्यारियां बनाएं। जिससे बरसात के मौसम में जलभराव न हो। लाइन से लाइन की दूरी ढाई मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर रखें। एक साथ दो पौधे लगाएं, बाद में स्वस्थ पौधे को रखें और कमजोर पौधे को उखाड़ दें। घीया की बिजाई के लिए प्रति एकड़ डेढ़ किलोग्राम बीज पर्याप्त है।

ऐसे करें खाद प्रबंधन

घीया के लिए प्रति एकड़ 20 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन, 10 किलोग्राम फास्फोरस और 10 किलो पोटाश प्रति एकड़ डालें। फास्फोरस और पोटाश घीया की बिजाई के समय ही खेत में डाल दें। एक तिहाई नाइट्रोजन बिजाई के समय और बाकी दो तिहाई नाइट्रोजन फूल आने व फल आने के समय डालें। सड़ी हुई काली गोबर की खाद प्रत्येक पौधे के पास एक मुट्ठी डालें।

"हरियाणा सरकार किसानों को मचान विधि से घीया की खेती करने पर प्रति एकड़ 31,210 रुपये का अनुदान दे रही है। किसान अधिकतम दो एकड़ तक अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। **-डॉ. सुरेंद्र सिहाग, विषय विशेषज्ञ, फल उत्कृष्टता केंद्र, मांगेआना, सिरसा**

"मचान विधि से घीया लगाने पर रोग का प्रकोप कम होता है। इससे उत्पादन भी 15 प्रतिशत तक अधिक होता है। बरसात के समय फल के पास जलभराव नहीं होता। हकृवि की नई किस्म जीएच-22 और हाइब्रिड एचबीजीएच से 120 से 130 क्विंटल तक प्रति एकड़ उत्पादन किसान ले सकते हैं। **- डॉ. टीपी मलिक, अध्यक्ष सब्जी विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि, हिसार**